

ग्राम सूबा का अनापत्त प्रमाण पत्र

57

58

खेवांगे, श्रीमन् श्रीविद्याशाली क्रीडाभवन 30/11/09
निर्माण स्थल लोकोपयोगिता के अन्तर्गत
अनुमोदित
दिनांक 7-12-09 2007
विषय: - हीरधत पेटशाली इन्टर कॉलेज से पेटशाली कोर्ट
मांगे,

अवैध
उपरोक्त विषयक कोर्ट मांगे के सैन जो
पुनः से कोर्ट की में कुछ गाँव वासियों का विरोध था तलेज से
कत. सभी गाँव वासियों के एक मिटिंग बुलाई गई जिसमें
सब सहमत थे यह काम सहमती बन गई कि पुनः में
स्वीकार सेव पर ही कोर्ट मांगे का निर्माण कार्य करणा सम्बन्ध
जाय एवं गाँव वासियों को यह इच्छा है, कि इस मांगे पर न आया
तुरन्त कार्य प्रारम्भ कर दिया जाय इस में काल किसी करे ता
को कोई क्षति नहीं है, साथ ही मांगे में पड़ने वाले
अवकाशों के नीचे दीवाल बनवाई जाय तो इसमें
किसी गाँववासी को कोई क्षति नहीं होगी। तमोड़ा

सुस्थवादि।

दि. 05.12.09
समस्त गाँववासी
अध्यक्ष
30/11/09
सहायक अभियन्ता
विशेष बण्ड, बांताबाग
बलमोड़ा

kholia.

58

56

राज दिनांक 11/12/09 को ग्राम पंचायत चितई पंत में

रूक लमा का आपेजना किया गया.

जिसकी अध्यक्षता श्री बन पंचायत चितई पंत के सरपंच द्वारा की गयी. एवम इस बैठक में बन रहल चितई वीट द्वारा भी भाग लिया गया बैठक निम्न प्रस्ताव पारित किये गये,

(1) चितई पंत में रोड निर्गली कार्य किया जा रहा है। उसकी शक्ति पूर्ति के लिए चितई नौवा नोकक नोकक स्वान जो कि चितई पंत वाले की सिक्कि भूमि है। जिसका दोत फल 99-पन्द्रह एकड़ के लगभग है।

(2) इस समस्त ग्राम वासी इस जेत को बन विभाग को वृद्धा रोपण कार्य हेतु देने को सहमत है। बैठक में यह निर्णय लिया गया कि:

(3) यह वृद्धा रोपण एवम चार दिवारी बन पंचायत को ग्राम वासी दी करगे। अन्यथा यह कार्य इसे करके ग्राम वासीपों को देने पर इसका विरोध (बन पंचायत) ग्राम वासी करगे।

समस्त ग्राम वासी

भवतीय

- (1) तुन्सी देवी
- (2) हेमा देवी
- (3) प्रकाश चन्द
- (4) अमिता देवी
- (5) पार्वना देवी
- (6) बीता डार्या
- (7) कर्ना डार्या
- (8) इन्द्रा देवी

सरपंच
वन पंचायत चितई (पंत)
गाँव व पेट चितई
विकास बण्ड इन्डालवांग
ज्ञानपद अल्लोडा
दिनांक 5-1-09
प्रधान

- 9- अहिष्मण
- 10- कर्ना देवी
- 11- हापटा देवी
- 12- चण्डी देवी
- (13) शोभा देवी

सहायक अभियन्ता.
विशेष बण्ड, बांताबाग.
बलमोड़ा
पंचायत चितई पंत.
विकास बण्ड - इन्डालवांग.
जिला - बलमोड़ा

अनापात प्रमाण-पत्र

(59) (57)

प्रमाणित किया जाता है कि अल्मोड़ा-घाट मोटर मार्ग के चिन्ह पंत विरोध से (एसी दात पेटराली इण्डर कालेज से आगे) पेटराल तक वैकल्पिक मार्ग (लगभग 6.50 किमी०) के निर्माण हेतु ग्राम-पेटराल बाड़ी पट्टी - खासपुर्जा, तहसील- अल्मोड़ा की 0.1700 हेक्टेयर अर्थात् आठ नाली आठ छुट्टी वन पंचायत ग्रामी प्रभावित होती है। उक्त प्रभावित होने वाली वन पंचायत ग्रामी को हम देने के लिए सहमत हैं।

सहायक चिन्ह पत्र

पि. व. नं. 15
वन पंचायत विपरीत क्षेत्र,
पि. - पिपली,
तहसील - अल्मोड़ा

27-
कोटो प्रति/सहपत्र
ADW
सहायक अभियन्ता,
विशेष खण्ड, लो. नि. वि.
अल्मोड़ा

कर्म का नाम:- जमपु अल्मोड़ा से अल्मोड़ा-घाट मोटर मार्ग के चिन्ह पंत विरोध (हस्तगत पेटराली इण्डर कालेज से आगे) पेटराल तक वैकल्पिक मार्ग। (लम्बाई 6.00 किमी०)



ADW
सहायक अभियन्ता,
निर्माण खण्ड, लो. नि. वि.
अल्मोड़ा

अधिसारी अभियन्ता,
निर्माण खण्ड, लो. नि. वि.
अल्मोड़ा

Proposed alignment

Component wise Details of Construction Work

Part 1.

- 1- Hill cutting and filling.
- 2- Construction of Scupper

Part 2.

- 1- Construction of parapet.
- 2- Construction of R/B wall.
- 3- Construction of Km. Stone, Hec. Stone, Edge Stone.
- 4- Soiling to remove defects.
- 5- Construction of katcha drain

Improvement.

- 1- Soiling
- 2- Inter Coat
- 3- Top Coat
- 4- Surface Course.
- 5- Construction of pucca Drain
- 6- Crash barriers/Delinators
- 7- Road Marking
- 8- Sign Boards.

परियोजना विवरण :- जनपद अल्मोड़ा में अल्मोड़ा-घाट मोटर मार्ग के चितई पंत तिराहे से (हरिदत्त पेटशाली इण्टर कालेज से आगे) पेटशाल तक वैकल्पिक मोटर मार्ग ।
(लम्बाई 6.00 किमी०)

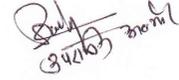
कार्य प्रारम्भ न होने का प्रमाण-पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि प्रयोक्ता एजेन्सी द्वारा आवेदित भूमि पर कोई निर्माण कार्य प्रारम्भ नहीं किया गया है। भारत सरकार से वन संरक्षण अधिनियम, 1980 के अर्न्तगत स्वीकृति प्राप्त होने के उपरान्त ही निर्माण कार्य प्रारम्भ किया जायेगा ।


अभिशासी अभियन्ता,
प्रयोक्ता एजेन्सी,
बिर्माण खण्ड, लो० नि० वि०
अल्मोड़ा


सहायक अभियन्ता,
बिर्माण खण्ड, लो० नि० वि०
अल्मोड़ा


प्रभोगीय वनाधिकारी


प्रभोगीय वनाधिकारी,
अल्मोड़ा वन प्रभाग, अल्मोड़ा


वन संचालक
अल्मोड़ा वन प्रभाग


प्रभोगीय वनाधिकारी
अल्मोड़ा वन प्रभाग अल्मोड़ा

कार्यालय मुख्य अभियंता, लोक निर्माण विभाग, अल्मोड़ा भूगर्भीय खण्ड



उत्तराखण्ड शासन

भूगर्भीय निरीक्षण आख्या जी 20/सड़क संरेखण/कुमायूँ / 2008

जनपद अल्मोड़ा में अल्मोड़ा-घाट मोटर मार्ग के विस्तार के चितई पन्त तिराहे से पेटशाल तक मोटर मार्ग के 8.00 कि०मी० सड़क संरेखन की भू-गर्भीय निरीक्षण आख्या।

फरवरी 2008

जनपद अल्मोड़ा में अल्मोड़ा-घाट मोटर मार्ग के विस्तार के चितई पन्त तिराहे से पेटशाल तक मोटर मार्ग के 8.00 कि०मी० सड़क संरेखन की भू-गर्भीय निरीक्षण आख्या।

1- प्रस्तावना:-

जनपद अल्मोड़ा में अल्मोड़ा-घाट मोटर मार्ग के विस्तार के चितई पन्त तिराहे से पेटशाल तक मोटर मार्ग के 8.00 कि०मी० भाग का बनाना प्रस्तावित है। अधिशासी अभियंता के अनुरोध पर स्थल का निरीक्षण दिनांक 20.02.2008 को श्री पी० के० सिंह, सहायक अभियंता एवं दिनेश गिरिराज, कनिष्ठ अभियन्ता निर्माण खंड, लो०नि०विभाग, अल्मोड़ा के साथ अधोहस्ताक्षरी द्वारा किया गया। स्थल का निरीक्षण, स्थल संरचना व बनावट भूगर्भीय एवं पर्यावरणीय परिस्थितियों के अध्ययन हेतु किया गया ताकि इस मोटर मार्ग के निर्माण हेतु आवश्यक सुझाव दिया जा सके।

2-स्थिति:-

1. यह संरेखन अल्मोड़ा-घाट मोटर मार्ग के कि०मी० 10 है०मी० 6-8 के चितई पन्त तिराहे नामक स्थान से प्रारम्भ होता है।
2. भारतीय सर्वेक्षण विभाग के अनुसार पेटशाल.....अक्षांश तथा.....देशान्तर पर स्थित है।

3- भूगर्भीय स्थिति:-

यह संरेखन कुमायूँ लेसर हिमालय के अन्तर्गत अल्मोड़ा वर्ग के ग्रेनाइट-ग्रेनोडायोराइट वर्ग के नाइस-शिश्ट फार्मेशन एवं रामगढ़ वर्ग के क्वार्टजाईट फोरमेशन में फैला हुआ है। स्थल क्षेत्र में मिट्टी के रंग की महीन एवं मोटे पर्तवाली क्वार्टजाईट-नाइस-शिश्ट चट्टानें तीन प्रकार के ज्वाइन्ट से पूर्ण पूर्वोत्तर दिशा के झुकाव के साथ विद्यमान है। इस संरेखन में चट्टानों में किया गया अध्ययन निम्नवत् है।

1.	150 - 330	/ पूर्वोत्तर	/	31°	नति
2.	150 - 330	/ पूर्वोत्तर	/	33°	नति
3.	150 - 330	/ पूर्वोत्तर	/	35°	नति
4.	60 - 240	/ पश्चिमोत्तर	/	55°	संधि
5.	60 - 240	/ पश्चिमोत्तर	/	57°	संधि
6.	60 - 240	/ पश्चिमोत्तर	/	59°	संधि
7.	120 - 300	/ दक्षिण पश्चिम	/	350	संधि
8.	120 - 300	/ दक्षिण पश्चिम	/	370	संधि
9.	120 - 300	/ दक्षिण पश्चिम	/	390	संधि

चट्टानों के ऊपर डेब्रिस तथा उसके ऊपर, मिट्टी की पर्त विद्यमान है। टेक्टोनिक कम निम्नवत् है:-

घास आदि
मिट्टी की महीन परत
डेब्रिस
नाइस
शिस्ट
नाइस
चट्टान

चट्टानों के ऊपर घास आदि विद्यमान है। इस सम्पूर्ण संरेखन में पहाड़ी ढलान सामान्य से मध्यम स्थिति में दक्षिणपूर्व एवं पूर्वोत्तर दिशा को है।

4- स्थल वर्णन :-

यह संरेखन अल्मोड़ा-घाट मोटर मार्ग के कि०मी०, 10 है०मी० 6-8 से प्रारम्भ होकर प्राईमरी पाठशाला के पास अल्मोड़ा-घाट के कि०मी० 13.00 के बीच में 8.00 कि०मी० लम्बाई में फैला हुआ है। यह संरेखन उक्त मोटर से प्रारम्भ होकर 2 कि०मी० पूर्वोत्तर दिशा को दक्षिणपूर्व दिशा के पहाड़ी ढलान के साथ जाता है। उसके बाद संरेखन पश्चिमोत्तर दिशा को पूर्वोत्तर दिशा के पहाड़ी ढलान के साथ कि०मी० 8.00 के अन्त तक जाता है। इस संरेखन के कि०मी० 1 में पशु सेवा केन्द्र, चितई पन्त गाँव, कि०मी० 2 में चितई तिवाड़ी, मनियाली ग्राम तथा प्राईमरी पाठशाला विद्यमान है। कि०मी० 3-7 में पातालदेवी गाँव एवं मन्दिर विद्यमान है। कि०मी० 8 में पेटशाल तथा प्राईमरी पाठशाला पेटशाल विद्यमान है।

इस संरेखन कि०मी० 5 में एक पेरेनियल नाला विद्यमान है। यह सम्पूर्ण संरेखन नाप/बेनाप भूमि से होकर गुजरता है। प्रारम्भ में यह संरेखन नाइसिक चट्टानी भाग को पार करता है। नाप भूमि के नीचे खेतों में चट्टाने विद्यमान है इस संरेखन में कई सूखे नाले विद्यमान है जिनको यह संरेखन पार करता है।

इस संरेखन में कोई भी भू-रखलन विद्यमान नहीं है। इस संरेखन के नाप भूमि वाले भाग में कोई भी वृक्ष नहीं है। इस मोटर मार्ग के निर्माण हेतु दो संरेखन स्थल देखा गया जिसमें से द्वितीय संरेखन स्थल को भू-गर्भीय एवं पर्यावरणीय दृष्टिकोण से अनुचित एवं अनुपयुक्त पाते हुए चयनित नहीं किया गया है। प्रथम संरेखन स्थल को भू-गर्भीय एवं पर्यावरणीय दृष्टिकोण से उचित एवं उपयुक्त पाते हुए चयनित किया गया है। इस संरेखन की स्थिति निम्नवत् है।

44 43

45 44

- 1 कि०मी० 1.00 - चट्टान 40 प्रतिशत, डेब्रिस 40 प्रतिशत, मिट्टी 20 प्रतिशत।
- 2 कि०मी० 2.00 - चट्टान 40 प्रतिशत, डेब्रिस 40 प्रतिशत, मिट्टी 20 प्रतिशत।
- 3 कि०मी० 3.00 - चट्टान 30 प्रतिशत, डेब्रिस 45 प्रतिशत, मिट्टी 25 प्रतिशत।
- 4 कि०मी० 4.00 - चट्टान 40 प्रतिशत, डेब्रिस 40 प्रतिशत, मिट्टी 20 प्रतिशत।
- 5 कि०मी० 5.00 - चट्टान 60 प्रतिशत, डेब्रिस 20 प्रतिशत, मिट्टी 20 प्रतिशत।
- 6 कि०मी० 6.00 - चट्टान 60 प्रतिशत, डेब्रिस 20 प्रतिशत, मिट्टी 20 प्रतिशत।
- 7 कि०मी० 7.00 - चट्टान 60 प्रतिशत, डेब्रिस 25 प्रतिशत, मिट्टी 15 प्रतिशत।
- 8 कि०मी० 8.00 - चट्टान 60 प्रतिशत, डेब्रिस 25 प्रतिशत, मिट्टी 15 प्रतिशत।

इस मोटर मार्ग में कई सूखे नाले विद्यमान है।

5- स्थायित्व का विचार:-

इस सम्पूर्ण संरेखन में स्थल की स्थल संरचना व बनावट, स्थल वर्णन, भूगर्भीय, भूकम्पीय, भूजलीय एवं पर्यावरणीय आदि परिस्थितियों को देखते हुए इस सम्पूर्ण स्थल में मोटर मार्ग के निर्माण हेतु निम्न बिन्दुओं पर विचार करना आवश्यक है:-

- (1) यह पर्वतीय क्षेत्र में है।
- (2) यह भूकम्पीय क्षेत्र में है।
- (3) पर्यावरण का ध्यान रखा जाय।
- (4) इस संरेखन में सम्पूर्ण भाग बेनाप/नाप भूमि है।
- (5) इस संरेखन में कई ग्राम आते हैं।
- (6) इस संरेखन के कि०मी० 5 में पेरेनियल नाला विद्यमान है।
- (7) इस संरेखन कई प्राईमरी पाठशालायें एवं मन्दिर विद्यमान है।
- (8) इस में कई सूखे नाले विद्यमान है।
- (9) इस संरेखन में कोई भी भूखलन क्षेत्र विद्यमान नहीं है।
- (10) इस संरेखन में पहाड़ी ढलान सामान्य से मध्यम स्थिति में है।

6- सुझाव:-

इस सम्पूर्ण संरेखन में स्थल की स्थल संरचना व बनावट, स्थल वर्णन, स्थायित्व का विचार, भूगर्भीय, भूकम्पीय, भूजलीय एवं पर्यावरणीय परिस्थितियों आदि को देखते हुए इस भाग में मोटर मार्ग निर्माण हेतु निम्न सुझाव दिये जाते हैं:-

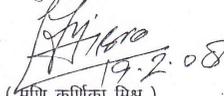
1. सूखे नालों पर स्कपर/डबल स्कपर/कल्वर्ट/कॉजवे का निर्माण किया जाय।
2. पहाड़ी की ओर नाली का निर्माण किया जाय।
3. गाँव/मिट्टी/डेब्रिस वाले भाग में आवश्यकतानुसार ब्रेस्ट/रिटेनिंग वॉल का निर्माण किया जाय।

46/45

4. गाँव वाले भाग में विस्फोटक सामग्री का प्रयोग न किया जाय।
5. कि०मी० 5 के पेरिनियल नाले पर 18 मी० विस्तार के पुल का निर्माण किया जाय।
6. मिट्टी वाले भाग में मोटर मार्ग के वाह्य भाग को ऊँचा रखा जाय ताकि वर्षा के दिनों में पानी वाह्य भाग को पार कर न बहे जिससे मार्ग यथावत बना रहे।
7. पर्वतीय क्षेत्र में बनने वाले मोटर मार्गों के मानकों के अनुसार उपाय किये जाय।
8. पर्यावरण को ध्यान में रखते हुए मोटर मार्ग का निर्माण किया जाय।
9. भूकम्पीय मानक के अनुसार उपाय किये जाय।
10. अन्य आवश्यक उपाय जो मोटर मार्ग निर्माण में आवश्यक हो किये जाय।

7-निष्कर्ष

उपरोक्त वर्णित विन्दुओं को ध्यान में रखते हुए इस भाग में मोटर मार्ग निर्माण करना उचित एवं उपयुक्त प्रतीत होता है।


(मार्ग कर्णिका मिश्र)
भूवैज्ञानिक
कार्यालय मुख्य अभियंता, कुमायूँ क्षेत्र
लो०नि०विभाग, अल्मोड़ा

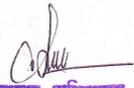
प्रपत्र-35

परियोजना विवरण :- जनपद अल्मोड़ा में अल्मोड़ा-घाट मोटर मार्ग के चितई पंत तिराहे से (हरिदत्त पेटशाली इण्टर कालेज से आगे) पेटशाल तक वैकल्पिक मोटर मार्ग।
(लम्बाई 6.00 किमी०)

Task Force Certificate

- (i) Lay out of the Land-be followed as far as possible.
- (ii) Heavy cutting/filling be avoided-as far as possible. The technology of cut and fill method is to be adopted. Steep hill slopes also to be avoided.
- (ii) Unstable/slide-prone areas to be avoided. For identifying such areas the advice of Geotechnical engineers and geologists to be taken during the survey for alignment.
- (iii) Comparison of various possible alignments with reference to erosion potential be made and the alignment involving minimum erosion risks be preferred. Apart from the stage of planning the road alignment, effective steps are also required to be taken by ground engineer during the process of road construction for minimized ecological disturbance to the hill roads Broadly the measures to be taken have been identified as :-
 - (i) Cut and fill method to be adopted while excavating for road formation and heavy earth cutting is to be avoided Box cutting is to be avoided to the extent possible.
 - (ii) Blasting by explosives is to be restricted to the minimum. Lay out of holes to be drilled for blasting is to be planned keeping in view the line of least resistance and the existence of joints Controlled blasting should be repeated using low charge and care be taken to avoid activating slide zones or widening fissures and cracks in road. Use of delay detonators in large scale basting work is to be made for anaoline dispersion of chock waves, so that minimum disturbance is caused to the rock stratum as a result of the blasting process.
 - (iii) All cut slopes, unusable hill side and slide prone erosion prone areas are to be provided with suitable correction measures by using one or the other of the techniques developed by CRRI. Several techniques have been sponsored by CRRI. like simple vegetative turning, bitumen muck treatment and slide treatment by jute netting coir netting of these simple vegetative turning seems to be the most appropriate preventive measure in many situations. This should be established in the denuded slopes immediately after the excavation is made.
 - (iv) Adequate drainage measures and protective structures like intercepting catch water drains, longitudinal drains/culverts, breast walls, retaining walls are to be provided for purpose of establishing the slips Growth vegetative cover is to be stimulated in the disturbed hillslopes above the road level by planting suitable fast growing shrubs and plants. In
 - (v) Over the past few years the roads wing of the Ministry of Shipping and transport has issued instruction laying down broad guidelines and check list of the preparation of road construction projects which provide an inbuilt mechanism of tackling land slides/erosion control for the guidance and follow up action by engineers of state 'PWD' Border Roads Organization and others engaged in construction of hill roads. these should be observed.

प्रमाणित किया जाता है कि योजना आयोग द्वारा गठित टास्क फोर्स द्वारा प्रस्तुत उपाय सुझावों का परियोजना के निर्माण के दौरान अनुपालन सुनिश्चित किया जायेगा।


सहायक अभियन्ता,
निर्माण खण्ड, लो० नि० वि०
अल्मोड़ा


अभियन्ता,
विभाग खण्ड, लो० नि० वि०
अल्मोड़ा

परियोजना विवरण :- जनपद अल्मोड़ा में अल्मोड़ा-घाट मोटर मार्ग के चितई पंत तिराहे से (हरिदत्त पेटशाली इण्टर कालेज से आगे) पेटशाल तक वैकल्पिक मोटर मार्ग।
(लम्बाई 6.00 किमी0)

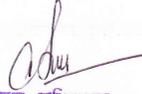
:मानक शर्तों का मान्य होने का प्रमाण-पत्र:

:मानक शर्तें:

1. भूमि हस्तान्तरण के बाद भी उसके उसके वैधानिक स्थल में कोई परिवर्तन नहीं होगा और वह भी पूर्व की भाँति रक्षित या आरक्षित वन भूमि बनी रहेगी।
2. प्रश्नगत भूमि का उपयोग केवल कथित प्रयोजन हेतु ही किया जायेगा अन्य प्रयोजन हेतु कदापि नहीं।
3. याचक विभाग प्रस्तावित भूमि अथवा उसके किसी भी भाग को किसी अन्य विभाग, संस्था अथवा व्यक्ति विशेष को हस्तान्तरित नहीं करेगा।
4. भूमि का संयुक्त निरीक्षण करके सुनिश्चित कर लिया गया है कि माँगी गई भूमि न्यूनतम है तथा इसके अतिरिक्त कोई अन्य वैकल्पिक भूमि उपलब्ध नहीं है।
हस्तान्तरणीय विभाग उसके कर्मचारी, अधिकारी अथवा ठेकेदार वन भूमि को किसी प्रकार की क्षति नहीं पहुँचायेंगे और ऐसा किये जाने पर सम्बन्धित वनाधिकारी द्वारा निर्धारित मुआवजे के भुगतान उक्त विभाग को करना होगा, जिसके याचक विभाग सहमत हैं।
6. भूमि का सीमांकन याचक विभाग अपने व्यय से सम्बन्धित वनाधिकारी की देर-रेख में करायेगा तथा इस सम्बन्ध में बनाये गये मुनारे आदि की भी देखभाल करेगा।
7. हस्तान्तरण वन भूमि पर वन विभाग के कर्मचारियों को निरीक्षण हेतु जाने पर हस्तान्तरणीय विभाग को कोई आपत्ति नहीं हाँगा।
8. बहुमूल्य वन सम्पदा से आच्छादित एवं वन जन्तुओं से भरपूर वन क्षेत्रों का हस्तान्तरण यथासम्भव प्रस्तावित न किया जाय। केवल अपरिहार्य कारणों से ही ऐसा किया जाना सम्भव होगा, परन्तु प्रतिबन्ध यह होगा कि वन सम्पदा की क्षतिपूर्ति एवं अन्य जन्तुओं के स्वच्छन्द विवरण की व्यवस्था सुनिश्चित करने के बाद ही भूमि हस्तान्तरित की जायेगी।
9. सिंचाई विभाग/जल निगम द्वारा वन विभाग की नरसरियों पौधों को एवं वन विभाग के कर्मचारियों की निःशुल्क जल की सुविधा उपलब्ध करायी जायेगी।
10. याचक विभाग द्वारा हस्तान्तरित वन भूमि का उपयोग अन्य प्रयोजन हेतु करने अथवा विभाग संस्था या व्यक्ति विशेष की हस्तान्तरित करने पर वन भूमि स्वतः बिना किसी प्रकार के प्रतिकर का भुगतान किये वन विभाग को वापस हो जायेगी। वन भूमि की आवश्यकता याचक विभाग को न रहने पर भी हस्तान्तरित भूमि तथा उस पर निर्मित भवन आदि स्वतः बिना किसी प्रतिकर का भुगतान किये वन विभाग को प्राप्त हो जायेगी।
11. सड़क निर्माण के प्रस्तावों पर एलाइनमेंट तय होते समय स्थानीय स्तर पर वन विभाग का परामर्श सा0नि0वि0 द्वारा प्राप्त किया जायेगा तथा इस सम्बन्ध में प्रमुख अभियन्ता, सा0नि0वि0 के अतिरिक्त मुख्य अभियन्ता, पर्व0 क्षेत्र पौड़ी को सम्बोधित पत्र संख्या 608 सी0 दिनांक 10-2-82 में निहित आदेशों का पालन भी सा0नि0वि0 द्वारा किया जायेगा कि अश्वमार्ग बनाना अथवा वन मार्गों को फेर बदल कर पक्का करना याचक विभाग के खर्च से पर्याप्त न होना और नई सड़क का निर्माण ही आवश्यक है।
12. प्रयोक्ता एजेन्सी के द्वारा वन भूमि का मूल्य सम्बन्धित जिलाधिकारी द्वारा वर्तमान बाजार दर के अनुसार राज्य सरकार के पक्ष में जमा कराया जायेगा।
13. वन भूमि पर खड़े वृक्षों का निस्तारण वन विभाग, उत्तराखण्ड वन विकास निगम द्वारा किया जायेगा।
14. हस्तान्तरित भूमि पर पड़ने वाले वृक्षों के प्रतिकर में याचक विभाग द्वारा हस्तान्तरित भूमि के समतुल्य वृक्षारोपण का भुगतान अथवा समतुल्य गैर वानिकी भूमि उपलब्ध न होने पर प्रस्तावित भूमि के दुगने गैर वानिकी क्षेत्रों में वृक्षारोपण तथा 3 वर्ष तक परिपोषण व्यय जो भी वन विभाग द्वारा तय किया जाय का भुगतान याचक विभाग वन विभाग को करेगा। 1000 मीटर एवं 30 डिग्री से अधिक ढाल पर खड़े वृक्षों का पातन भी निर्दिष्ट है, जो कि वन विभाग के पक्ष में निर्दिष्ट है। ऐसे वृक्षों के पातन का निरीक्षण वन संरक्षक स्तर पर ही किया जायेगा।

15. वन भूमि के ऊपर से विद्युत लाईन ले जाने में यथासम्भव पेड़ों का कटान नहीं किया जायेगा। या खम्भों को ऊँचा करके इसे सुनिश्चित किया जायेगा। यदि फिर भी पेड़ों का कटान अनिवार्य प्रतीत होता है तो न्यूनतम पेड़ों की संख्या संयुक्त स्थल निरीक्षण करके सम्बन्धित उप वन संरक्षक द्वारा निश्चित की जायेगी, जिस पर संरक्षण का अनुमोदन आवश्यक है।
16. यदि नहर आदि निर्माण में भू-संरक्षण की सम्भावना होती है और नहर की दोनों पट्टियों को पक्की करना अगर आवश्यक समझा जाता है तो ऐसा याचक विभाग स्वयं अपने व्यय से करायेगा।
17. उपरीलिखित मानक शर्तों के अतिरिक्त यदि भारत सरकार अथवा वन विभाग द्वारा किसी विशिष्ट प्रकरण में कोई अन्य शर्तें लगाई जाती हैं तो याचक विभाग को मान्य होगी।
18. वन भूमि का वास्तविक हस्तान्तरण तभी किया जाय, जब उच्च शर्तों का पूरा पालन कर लिया जाय अथवा उनका समुचित स्तर से आश्वासन प्राप्त हो जाय।

प्रमाणित किया जाता है कि वन विभाग उत्तराखण्ड शासन तथा भारत सरकार द्वारा लगाई गई शर्तें याचक विभाग को मान्य है।


सहायक अभियन्ता,
निर्माण खण्ड, लो० नि० वि०
अल्मोड़ा

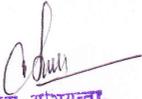

अभियन्ता अभियन्ता,
प्रयोक्ता एजेन्सी,
निर्माण खण्ड, लो० नि० वि०
अल्मोड़ा

प्रारूप-34

परियोजना विवरण :- जनपद अल्मोड़ा में अल्मोड़ा-घाट मोटर मार्ग के चितई पंत तिराहे से (हरिदत्त पेटशाली इण्टर कालेज से आगे) पेटशाल तक वैकल्पिक मोटर मार्ग।
(लम्बाई 6.00 किमी०)

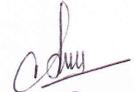
भू-वैज्ञानिक की संस्तुतियों/सुझावों का अनुपालन किये जाने का प्रमाण-पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि विषयगत परियोजना के निर्माण हेतु भू-वैज्ञानिक द्वारा दिये गये सुझावों/संस्तुतियों का अनुपालन सुनिश्चित किया जायेगा।


सहायक अभियन्ता,
निर्माण खण्ड, लो० नि० वि०
अल्मोड़ा


अधिसासी अभियन्ता,
(प्रयोक्ता एजेन्सी) वि०
निर्माण खण्ड, लो० नि० वि०
अल्मोड़ा


अधिसासी अभियन्ता,
प्रयोक्ता एजेन्सी
निर्माण खण्ड, लो० नि० वि०
अल्मोड़ा


सहायक अभियन्ता,
निर्माण खण्ड, लो० नि० वि०
अल्मोड़ा

प्रपत्र-37

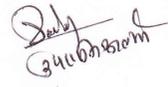
परियोजना विवरण :- जनपद अल्मोड़ा में अल्मोड़ा-घाट मोटर मार्ग के चितई पंत तिराहे से (हरिदत्त पेटशाली इण्टर कालेज से आगे) पेटशाल तक वैकल्पिक मोटर मार्ग।
(लम्बाई 6.00 किमी०)

धार्मिक/पौराणिक/ऐतिहासिक महत्व के स्थल न होने का प्रमाण-पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि आवेदित वन भूमि में किसी प्रकार का ऐतिहासिक स्थल, धार्मिक स्थल, स्मारक, मन्दिर, मस्जिद, शमशान घाट, कब्रिस्तान आदि स्थित नहीं है तथा उक्त वन भूमि सार्वजनिक उपयोग की नहीं है।

यह भी प्रमाणित किया जाता है कि उपरोक्त वन भूमि अन्य प्रयोजन हेतु किसी को आवंटित नहीं की गई है।


अधिसासी अभियन्ता,
प्रयोक्ता एजेन्सी
निर्माण खण्ड, लो० नि० वि०
अल्मोड़ा


34/07/2018

जिलाधिकारी


उप वन अधिकारी
अल्मोड़ा एवं जिलाधिकारी
अल्मोड़ा

प्रतिहस्ताक्षरित

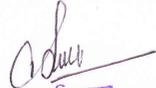
उप-अधीक्षक वनाधिकारी
अल्मोड़ा एवं प्रदाय अल्मोड़ा


तहसीलदार
अल्मोड़ा

परियोजना विवरण :- जनपद अल्मोड़ा में अल्मोड़ा-घाट मोटर मार्ग के चितई पंत तिराहे से (हरिदत्त पेटशाली इण्टर कालेज से आगे) पेटशाल तक वैकल्पिक मोटर मार्ग।
(लम्बाई 6.00 किमी०)

वन्य जीव/वनस्पतियों को क्षति न पहुँचाये जाने का प्रमाण-पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि प्रस्तावित परियोजना के निर्माण कार्य/रख-रखाव के दौरान वन्य जीवों/स्थानीय वनस्पतियों को कोई नुकसान नहीं पहुँचाया जायेगा।


सहायक अभियन्ता,
निर्माण खण्ड, लो० नि० बि०
अल्मोड़ा


प्रयोक्ता एजेन्सी
निर्माण खण्ड, लो० नि० बि०
अल्मोड़ा

परियोजना विवरण :- जनपद अल्मोड़ा में अल्मोड़ा-घाट मोटर मार्ग के चितई पंत तिराहे से (हरिदत्त पेटशाली इण्टर कालेज से आगे) पेटशाल तक वैकल्पिक मोटर मार्ग।
(लम्बाई 6.00 किमी०)

परियोजना में कार्यरत श्रमिकों को मिट्टी का तेल/रसोई गैस उपलब्ध कराये जाने का प्रमाण-पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि प्रश्नगत परियोजना के निर्माण में कार्यरत श्रमिकों को मिट्टी का तेल/रसोई गैस उपलब्ध करायी जायेगी।


सहायक अभियन्ता,
निर्माण खण्ड, लो० नि० बि०
अल्मोड़ा


प्रयोक्ता एजेन्सी
निर्माण खण्ड, लो० नि० बि०
अल्मोड़ा

परियोजना विवरण :- जनपद अल्मोड़ा में अल्मोड़ा-घाट मोटर मार्ग के चितई पंत तिराहे से (हरिदत्त पेटशाली इण्टर कालेज से आगे) पेटशाल तक वैकल्पिक मोटर मार्ग।
(लम्बाई 6.00 किमी०)

लाभान्वित होने वाले ग्रामों/परिवारों/जनसंख्या के सम्बन्ध में प्रमाण-पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि प्रश्नगत परियोजना के निर्माण से निम्न प्रकार स्थानीयग्रामों/ परिवारों/जनसंख्या को लाभ प्राप्त होगा।

क०सं०	ग्राम का नाम	लाभान्वित होने वाली जनसंख्या	परिवारों की संख्या
1	चितई तिवारी	287	51
2	चितई पन्त	348	62
3	मन्योली	59	8
4	पूनाकोट	561	105
5	पेटशाल बाड़ी	35	5
योग		1290	231


सहायक अभियन्ता,
निर्माण खण्ड, लो० नि० वि०
अल्मोड़ा


प्रयोक्ता एजेन्सी
निर्माण खण्ड, लो० नि० वि०
अल्मोड़ा

परियोजना विवरण :- जनपद अल्मोड़ा में अल्मोड़ा-घाट मोटर मार्ग के चितई पंत तिराहे से (हरिदत्त पेटशाली इण्टर कालेज से आगे) पेटशाल तक वैकल्पिक मोटर मार्ग।
(लम्बाई 6.00 किमी०)

एन०पी०वी० की धनराशि का आंकलन

प्रमाणित किया जाता है कि भारत सरकार, पर्यावरण एवं वन मंत्रालय, नई दिल्ली के आदेश संख्या 5-3/2007-एफ०सी० दिनांक 05-02-2009 में उल्लिखित व्यवस्था के अनुसार आवेदित वन भूमि हेतु एन०पी०वी० की देयता निम्नानुसार है :-

1. ईको-क्लास श्रेणी..... 5
2. हरियाली का घनत्व..... 4
3. एन०पी०वी० की दर प्रति हे०..... 939000000
4. आवेदित वन भूमि का क्षेत्रफल..... 2.43875
5. कुल देय एन०पी०वी० की धनराशि..... 2285986200

प्रतिहस्ताभारत

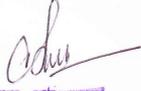

प्रभागीय वनाधिकारी,
निर्माण खण्ड, लो० नि० वि०
अल्मोड़ा

प्रारूप-51

परियोजना विवरण :- जनपद अल्मोड़ा में अल्मोड़ा-घाट मोटर मार्ग के चितई पंत तिराहे से (हरिदत्त पेटशाली इण्टर कालेज से आगे) पेटशाल तक वैकल्पिक मोटर मार्ग।
(लम्बाई 6.00 किमी०)

एन०पी०वी० की बढ़ी दरों के अनुसार अतिरिक्त धनराशि जमा कराये जाने का प्रमाण-पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि यदि भविष्य में मा० उच्चतम न्यायालय/भारत सरकार द्वारा एन०पी०वी० की वर्तमान दरों में कोई बढ़ोतरी की जाती है तो एन०पी०वी० की बढ़ी हुई धनराशि का भुगतान वन विभाग को यथासमय कर दिया जायेगा।


सहायक अभियन्ता,
निर्माण खण्ड, लो० नि० वि०
अल्मोड़ा


प्रयोक्ता एजेन्सी
निर्माण खण्ड, लो० नि० वि०
अल्मोड़ा

प्रारूप-41

परियोजना विवरण :- जनपद अल्मोड़ा में अल्मोड़ा-घाट मोटर मार्ग के चितई पंत तिराहे से (हरिदत्त पेटशाली इण्टर कालेज से आगे) पेटशाल तक वैकल्पिक मोटर मार्ग।
(लम्बाई 6.00 किमी०)

वन भूमि के मूल्य/वार्षिक लीज रेन्ट का प्रमाण-पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि प्रस्तावित वन भूमि का वर्तमान बाजार दर से मूल्य रुपये 1260000 प्रति हे० है तथा उक्त प्रयोजन हेतु 2.43875 हे० वन भूमि का कुल प्रीमियम (मूल्य) रुपये 3072825.00 होता है।

प्रतिहस्ताक्षरित

जिलाधिकारी

प्रपत्र-53

परियोजना विवरण :- जनपद अल्मोड़ा में अल्मोड़ा-घाट मोटर मार्ग के चितई पंत तिराहे से (हरिदत्त पेटशाली इण्टर कालेज से आगे) पेटशाल तक वैकल्पिक मोटर मार्ग।
(लम्बाई 6.00 किमी०)

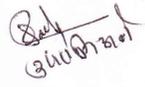
लीज अवधि का प्रमाण-पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि उक्त परियोजना हेतु प्रस्तावित वन भूमि~~४~~.....वर्षों की लीज पर ली जानी प्रस्तावित है।

प्रभागीय वनाधिकारी


सहायक अभियन्ता,
निर्माण खण्ड, लो० नि० वि०
अल्मोड़ा


अधिशाली अभियन्ता,
निर्माण खण्ड, लो० नि० वि०
अल्मोड़ा


31/08/2020
प्रस्तावित
31/08/2020


31/08/2020

प्रपत्र-52

परियोजना विवरण :- जनपद अल्मोड़ा में अल्मोड़ा-घाट मोटर मार्ग के चितई पंत तिराहे से (हरिदत्त पेटशाली इण्टर कालेज से आगे) पेटशाल तक वैकल्पिक मोटर मार्ग।
(लम्बाई 6.00 किमी०)

प्रस्तावित परियोजना के लिये प्रत्यावर्तित की जाने वाली वन भूमि का आर०सी०सी० पिलरों द्वारा सीमांकन का प्राक्कलन

प्रमाणित किया जाता है कि प्रस्तावित वन भूमि के सीमांकन/सर्वेक्षण हेतु आने वाले व्यय का भुगतान वन विभाग के पक्ष में किया जायेगा।

क.	कार्य का नाम	इकाई/ संख्या	नपत मीटर में			मात्रा	इकाई	दर (रु० में)	घनराशि (रु० में)
			ल०	चौ०	ऊ०				
1	आर०सी०सी० पिलर निर्माण हेतु बुनियाद खोदना								
2	आर०सी०सी० पिलर के बेस पर चुना व कोयला डालना								
3	आर०सी०सी० कार्य हेतु सरिया कय करना								
4	पिलर पर पिलर संख्या आदि लिखना								
5	पानी की जुलाई आदि								
6	कुल योग								

प्रभागीय वनाधिकारी

Undertaking of user agency to bear the cost of demarcation work

परियोजना विवरण :- जनपद अल्मोड़ा में अल्मोड़ा-घाट मोटर मार्ग के चितई पंत तिराहे से (हरिदत्त पेटशाली इण्टर कालेज से आगे) पेटशाल तक वैकल्पिक मोटर मार्ग।
(लम्बाई 6.00 किमी०)

प्रमाणित किया जाता है कि सीमांकन हेतु पिलरों के निर्माण की धनराशि को याचक विभाग/प्रयोक्ता एजेन्सी द्वारा वहन किया जायेगा। यदि वन विभाग द्वारा उक्त कार्य हेतु कोई आगणन प्रस्तुत किया जायेगा। उसकी धनराशि विभाग द्वारा वन विभाग उपलब्ध कर दी जायेगी।


प्रयोक्ता एजेन्सी,
निर्माण विभाग, लो० नि० वि०
अल्मोड़ा


प्रयोक्ता एजेन्सी,
निर्माण विभाग, लो० नि० वि०
अल्मोड़ा